ANNUAL REPORT 2020-21

वार्षिक रिपोर्ट

2020-21

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटीज,

Bihar Association of Persons with Disabilities
बिहार पी.डब्लू.डी. संघ
Bihar, Patna

BIHAR ASSOCIATION OF PERSON WITH DISABILITIES

Bihar Association of Person with Disabilities
Patel Colony, Sandalpur, P.O.-Mahendru, P.S.- Bahadurpur, Patna-800006
Email: biharassociationofpwd@gmail.com Email- www.biharassociationofpwd.in

वार्षिक रिपोट

2020-21

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटीज

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटीज

Bihar Association of Person with Disabilities

Patel Colony, Sandalpur, P.O.-Mahendru, P.S. – Bahadurpur, Patna-800006

Email: biharassociationofpwd@gmail.com

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज दिव्यांगजनों के कल्याणार्थ हेतु (स्पेशल स्कूल, विशेष शिक्षा, रोजगार, स्पीच थेरेपी, फिजियोथेरेपी, ऑकुपेशनल थेरेपी, विहैवियर मोडीफिकेशन, जनजागरूकता, खेल-कूद, पुनर्वास) आदि के क्षेत्रों में सन् 2000 से कार्य कर रही है एवं बिहार सरकार, भारत सरकार एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनिय 2016 के धारा 51 के तहत निबंधित है। बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज पूरे बिहार के 38 जिलों, 101 अनुमण्डल, 534 प्रखण्ड एवं 8 हजार से अधिक पंचायत, गांव, टोला मोहल्ला के दो लाख से अधिक दिव्यांगजन (बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, शारीरिक दिव्यांग,मुक-बधिर, नेत्रहीन, स्लो लर्नर एवं बहु दिव्यांग) जुड़े हुए हैं एवं पांच लाख से अधिक दिव्यांगजन तक पहुंच है।

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज का मकसद नेशनल ट्रस्ट के दिव्यांगताओं ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांग, बहु दिव्यांगता वाले बच्चों का लाभ पहुँचाना एवं उन्हें आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा, थेरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण, खेल–कूद एवं सांस्कृतिक रूप से सक्षम बनाने के साथ–साथ सशक्त बनाने के साथ–साथ समाज के मुख्यधरा से जोड़ना है।

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज द्वारा दी जानेवाली सुविधाएं-

1. विशेष शिक्षा
2. व्यावसायिक प्रशिक्षण
3. स्पीच थेरेपी
4. फिजियोथेरेपी,
5. ऑकुपेशनल थेरेपी
6. विहैवियर मोडिफिकेशन
7. जन-जागरूकता कार्यक्रम
8. सेमिनार
9. हेल्थ चेकअप कैम्प

लाभुकों की सूची:

दिव्यांगता के प्रकार	2020–21
ऑटिज्म	40
सेरेब्रल पाल्सी	38
बौद्धिक दिव्यांग	44
बहु दिव्यांग	48
अन्य दिव्यांग	218

Bihar Association of Persons with Disabilities

02 **अप्रैल** 2020

विश्व ऑटिज्म दिवस पर ऑनलाइन जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज के तत्वाधान में विश्व स्वालीनता (ऑटिज्म) दिवस (2 अप्रैल) के अवसर पर 02 अप्रैल, 20120 को कोविड 19 के गाईडलाईन को पालन करते हुए ऑनलाईन जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऑनलाईन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रवीण कुमार मिश्रा साथ ही 70 से अधिक अभिभावकगण, दिव्यांगजन एवं गणमान्य लोग ऑनलाईन उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने बताया कि ऑटिज्म की समस्या से ग्रसित बच्चों को मंदबुद्धि कहते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है ये एक दिमागी विकार है। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम एक प्रकार का न्यूरोलॉजिकल डिस्ऑर्डर है। इसमें बच्चे के दिमाग का अलग-अलग हिस्सा एक साथ काम नहीं करता है। इस समस्या से ग्रसित बच्चों को छोटी-छोटी बाते समझने में दिक्कतें आती हैं।

इस समस्या होने का कोई प्रमुख कारण नहीं होता है। कुछ डॉक्टर्स का कहना है कि अगर शिशु की मां को थाइरॉइड है, तो शिशु ऑटिस्टिक हो सकता है। इसके साथ ही बदलते लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से भी बच्चे ऑटिज्म के शिकार हो रहे हैं।

ऑटिज्म को कभी भी जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता है। इसे बस प्यार से और सिखा-सिखाकर कंट्रोल किया जा सकता है। इसके अलावा स्पीच थैरेपी और मोटर स्किल जैसी टेक्नीक से बच्चों पर काफी हद तक कंट्रोल पाया जा सकता है।

इसके साथ ही ऐसे बच्चों के गुस्से को बढ़ावा ना देकर उन्हें प्यार से समझाना बहुत ही जरूरी होता है। अगर आपके आस-पास इस तरह का कोई बच्चा है, तो उन्हें प्यार और दुलार से समझाएं। उनके साथ अलग व्यवहार ना करें, बल्कि ऐसे बच्चों को समझने की कोशिश करें।

140वीं हेलेन केलर जयंती के अवसर पर अभिभावकों के लिए जन-जागरूकता वेबिनार कार्यशाला का आयोजन

पटना 29 अप्रैल 2019 । बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथडिसएबिलिजटज के तत्वाधान में दिनांक 27 जून 2020 को 140वीं हेलेन केलर की जयंती के अवसर पर जो कि एक दिव्यांग महिला थी पूरे वर्ल्ड मे पहली दिव्यांग ग्रेजूएट थी उसी अवसर पर अप० 3 बजे से ऑनलाइन वेबिनार अयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का संचालन सचिव, बिहार थैलेसीमिया पैरेन्टस एसोसिएशन, प्रियंका मिश्रा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार) एवं डॉ० अविनाश कुमार (रक्त रोग विशेषज्ञ) ऑनलाइन उपस्थित थे। साथ ही डॉ० मीना सामन्त, डॉ० हेमन्त सुष्मिता कुमार, सैंकड़ो थैलेसिमिया पिड़ीत एवं उनके अभिभावकगण, समाजसेवी, विशेषज्ञ आदि अपने-अपने घरो से ऑनलाइन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्देश्य सारे थैलेसिमिया पिड़ीत बच्चों को सारी सुविधा देना।
प्रियंका मिश्रा जो खुद थैलेसिमिया रोग से पिड़ीत है काफी ब्लड डोनेशन कैम्प लगवा चुकी है एवं थैलेसिमिया रोग से पिड़ीतों के सुविधा के लिए काफी लडाई लड़ रहीं है।

डॉ० शिवाजी कुमार ने बताये कि थैलेसीमिया एक रक्त सम्बन्धी आनुवांशिक बीमारी है। उन्हें हर 15-20 दिन में रक्त चढ़ानी पड़ती है। थैलेसीमिया रोग में रोगी को हरे पतेदार सब्जी, गुड़, मांस, अनार, तरबूज, चीकू कम खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि बार-बार रक्त चढ़ाए जाने के कारण शरीर में लौह तत्तव की मात्रा बढ़ी हुई होती है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनि□यम-16 (RPWD Act-16) में थैलेसीमिया से ग्रसित लोगों को दिव्यांगता के श्रेणी में रखा गया है। सरकार द्वारा दिव्यांगजनों से संबंधित सभी सुविधाओं/योजनाओं का लाभ दिया जाता है।

डॉ०अविनाश कुमार ने बताए कि थैलेसीमिया आनुवंशिक रोग होने के कारण इसकी रोकथाम बहुत मुश्किल है, ब्लड टेस्ट के द्वारा इस रोग का पता लगाया जा सकता है। थैलेसीमिया से पीड़ित व्यक्ति की त्वचा हल्की पीली हो जाती है। इस रोग से पिड़ित मरीज को हेल्दी डाइट देकर कुछ सुधार लाया जा सकता साथ ही अभिभावकों को जागरूक करना भी बहुत जरूरी है।

डॉ० मीना सामन्त, डॉ० हेमन्त ने भी थैलेसिमिया से पिड़ीत लोगों को काफी जानाकारियां दी ।

इस कार्यक्रम के माध्यम से बताया गया कि गया क्या दवा लेना चाहिए कैसे स्वस्थ रहे BMT के बारे बताया गया आयरण चेलेशन दवा के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य है ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलाना।

इस कार्यक्रम में डॉ० मीना सामन्त, डॉ० हेमन्त, प्रियंका मिश्रा, सुष्मिता कुमारी, काफी बच्चे उनके पेरेंट्स मौजूद थे

16 अगस्त 2020

74वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम 2016" विषय पर ऑनलाइन वर्चुअल क्विज कम्पटीशन का आयोजन

मुंगेर की अंकिता शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बिहार एसोसिएशन ऑफ़ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी के तत्वाधान में 74वां स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर "दिव्यांग जनों का अधिकार एवं दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम **2016**" विषय पर ऑनलाइन वर्चुअल क्विज कम्पटीशन का आयोजन गूगल मीट पर 15 अगस्त 2020 को अपराहण 4 बजे से संध्या 6:30 बजे तक किया गया। मुख्य अतिथि एवं जजेज के रूप में डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार, पटना उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी एवं संचालनकर्ता संदीप कुमार (खेल निदेशक बिहार खेल अकादमी,पटना) ऑवजर्वर एवं तकनिकी सहायक संतोष कुमार सिन्हा (प्रोग्राम मैनेजर, स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार) एवं मुकेश पंजियार (सचिव, संभव मधुबनी) ऑनलाईन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि श्री मोती लाल (अध्यक्ष, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटिज) साथ ही सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटिज), राहुल सिंह (कार्यक्रम समन्वयक), श्री लक्ष्मीकान्त कुमार-कैमुर, शांति मुकुल-मुजफ्फरपुर, बिहार के सैकड़ो दिव्यांगजन, दिव्यांगजन विशेषज्ञ, सभी प्रमण्डल स्तरीय, जीला स्तरीय, सवडिबिजन स्तरीय, प्रखण्ड स्तरीय, गांव स्तरीय डी.जी.पी. आदि उपस्थित थे। इस क्विज प्रतियोगिता कराने का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं उनसे जुड़े लोगों को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 एवं उनके लिए सरकार द्वारा प्रदत अधिकारों के बारे में जानकारी देना था।

इस प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों का नाम निम्न प्रकार है:-

प्रथम पुरस्कार : अंकिता शर्मा (बौद्धिक दिव्यांग)- पटना

द्वितीय पुरस्कार : हर्ष कुमार (ऑटिज्म) - भागलपुर

तृतीय पुरस्कार : धीरज कुमार (सेरेब्रल पाल्सी)- नालन्दा एवं मुकेश पंजियार - मधुबनी को दिया गया।

Bihar Association of Persons with Disabilities * Bihar, Patna

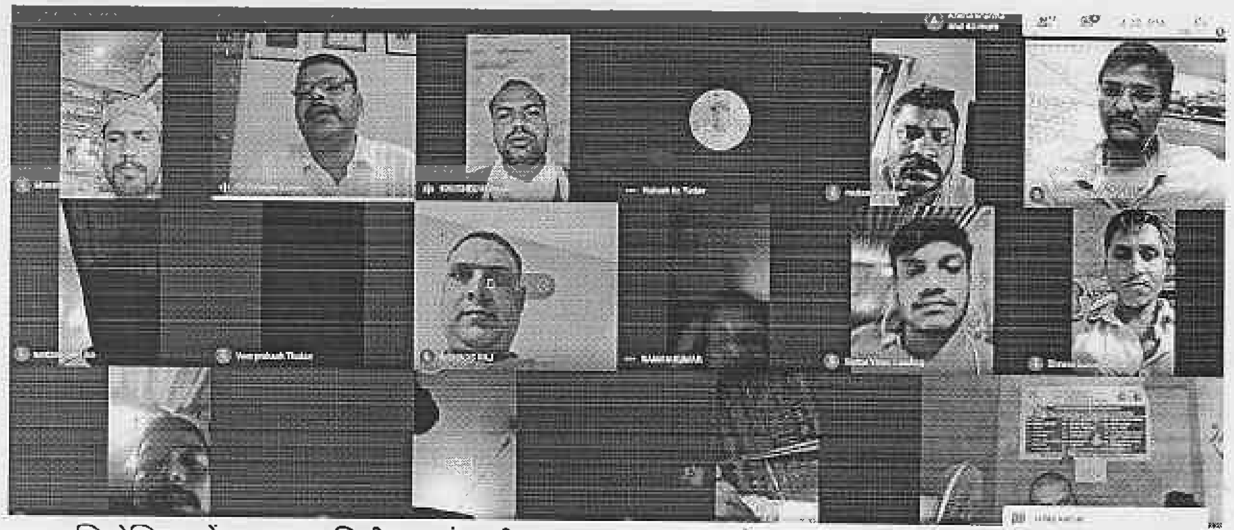

इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियो को 500/-, 300/- एवं 200/- रू० की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। इस प्रतियोगिता में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 से पूछे गये। इस क्विज प्रतियोगिता में पूरे बिहार के सभी जिलों से दिव्यांग प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से दिव्यांगजनो में काफी आत्मविश्वास पैदा होता है और उन्हें सरकार द्वारा प्रदत अधिकारों के बारे में जानकारी मिलती है। सरकार की कोशिश होती है कि सभी दिव्यांगजन अपने अधिकार बारे में जानें एवं सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि इस तरह के क्विज प्रतियोगिता चलते रहेंगे एवं सभी गठित दिव्यांगजन ग्रुप को आदेश दिया कि इस तरह के प्रतियोगिता अपने स्तर से भी करें।

इस प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से रिचा कुमारी शर्मा, संजय कुमार, अमन कुमार बद्रे आलम, अरविन्द कुमार, कुन्दन कुमार पाण्डेय, राजेश कुमार, विश्वास राज, के० चतुर्वेदी, रामकृष्णा मिश्रा, फूल बाबू अंसारी, सुमन कुमार, सुरभी कुमारी, तरूण चौहान, प्रकाश कुमार, विवेक कुमार, बावू विजय, दिलीप कुमार, प्रेम शर्मा, राकेश कुमार यादव, केशरी किशोर, मो० नदीम अंसारी, सलीम अंसारी, मोहन राम, रिचा कुमारी, नन्दलाल, साइमान, मुंशी कुमार, उदय कुमार, परेन्दु, तरूण झा, श्रवण कुमार, संतोष कुमार, ब्रज किशोर प्रसाद आदि ने भाग लिया

22 अगस्त 2020

वर्चुअल महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी (मनरेगा) योजना के बारे में दिव्यांगजनों को जानकारी के लिए ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन

विशेषज्ञों द्वारा मनरेगा के योजनाओं के बारे में दिव्यांगजनों को दी गई जानकारी

बिहार एसोसिएशन ऑफ़ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी के तत्वाधान में आज दिनांक 22 अगस्त 2020 को अपराहण 3 बजे से "वर्चुअल महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी (मनरेगा) योजना के बारे में दिव्यांगजनों (ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांग एवं बहु दिव्यांग) बच्चों को जानकारी के लिए ऑनलाइन वर्कशॉप" का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। इस ऑनलाइन वर्कशॉप के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार, पटना ऑनलाइन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता श्री अजय सहाय (प्रोग्राम ऑफिसर, मनरेगा), श्री मोती लाल (अध्यक्ष, बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्लू डी) तथा साथ ही वक्ता के रूप में संदीप कुमार (कार्यक्रम समन्वयक), संतोष कुमार सिन्हा (प्रोग्राम मैनेजर, बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्लू डी), मुकेश पंजीयार (डीपीजी, मधुबनी), हरिमोहन सिंह (मुंगेर), कुन्दन कुमार पाण्डेय (नालन्दा), धीरज कुमार (नालन्दा), सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटिज), प्रियंका मिश्रा (सचिव, थैलेसिमिया पैरेन्टस एसो.), अंकिता मिश्रा, शेखरचौरसिया, केशरी किशोर, रितारानी, राहुल सिंह (कार्यक्रम समन्वयक), श्री लक्ष्मीकान्त कुमार-कैमुर, शांति मुकुल-मुजफ्फरपुर, बिहार के सैकड़ो दिव्यांगजन, दिव्यांगजन विशेषज्ञ, सभी प्रमण्डल स्तरीय, जीला स्तरीय, सवडिबिजन स्तरीय, प्रखण्ड स्तरीय, गांव स्तरीय डी.जी.पी. आदि उपस्थित थे। इस ऑनलाइन वर्कशॉप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मनरेगा की योजनाओं के बारे में दिव्यांगजनों एवं उनसे जुड़े लोगों को जानकारी देना था।

मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि आज के ऑनलाइन कार्यक्रम से बिहार के दिव्यांगजनों को मनरेगा के योजनाओं के बारे में काफी जानकारियां दी गयी। हमारे दिव्यांगजन को कैसे मनरेगा का जॉब कार्ड बनेगा, उन्हें कौन-कौनसा कार्य दिया जायेगा के बारे में जानकारी दी गई। 90 प्रतिशत अबादी गांवों में रहती है इसलिए सरकार द्वारा मनरेगा एवं जिविका जैसी ग्रामीण योजनाएं चलाई गई। उन्होंने बताया कि बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्लू डी द्वारा इस तरहे के ऑनलाइन कार्यक्रम के आयोजन से दिव्यांगजनो को कोविड-19 महामारी के दौरान काफी मददगार साबित होता है एवं उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवे अधिकारों के बारे में जानकारी मिलती है।

श्री अजय सहाय (प्रोग्राम ऑफिसर, मनरेगा) ने मनरेगा में चल रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । उन्होंने बताया कि हमारी प्राथमिकता है कि सभी दिव्यांगजनों को जॉब कार्ड बने एवं उन्हें मनरेगा से जोड़ा जाये। अभी मनरेगा में 260 योजनाएं चलाई उजा रही एवं उनका क्रियान्वयन किया जा रहा है। मनरेगा में व्यक्तियों की समर्थता को देखते उनके अनुसार कार्य दिया जाताहै । मनरेगा के तहत खुद के काम जैसे वर्मी कम्पोज्ड, मुर्गी पालन, मछली पालन, गाय पालन, कर सकते हैं एवं उन्हे जॉब कार्ड बनाकर भी दिया जायेगा। पढ़-लिखे दिव्यांगजन मेट का काम कर सकते हैं। मनरेगा देश की सबसे बड़ी योजना है। काम का मेहनताना 14 दिन के अन्दर भुगतान किया जाता है। उन्होंने श्रोताओं द्वारा पूछे जा रहे सवालों का जबाव भी दे रहे थे।

मुकेश पंजीयार ने भी लोगों को मनरेगा के बारे में लोगों कों जानकारियां दी। एवं लोगों द्वारा पूछे सवालों जबाव भी दिये।

आज के ऑनलाइन मनरेगा वर्कशॉप प्रोग्राम में मुजफ्फरपुर से शांतिमुकुल, मधुबनी से फूल बाबू, अररिया से साबरा तरन्नुम, फिरदौस अख्तर-अरबल, संध्या- औरंगाबाद, सुभाष यादव-बांका, डॉ० गौतम कुमार-बेगुसराय, पल्लवी कुमारी-भागलपुर, संतोष कुमार-पटना,टना, लालु तुराहा - बक्सर, नितिश कुमार सिंह-गोपालगंज, शैलेश कुमार-जमुई, रंजीत कुमार रोश-खगड़िया, मनीन्द्र प्रसाद-किशनगंज, लक्ष्मीकान्त कुमार-कैमूर, अंजनी शर्मा-कटिहार, कुन्दन कुमार पाण्डेय, हिरदय यादव-नालन्दा, विश्वकर्मा शर्मा-शेखपुरा, अमित कुमार सिंह-सारण, -सारण,विजय देव-सुपौल, विकास कुमार-सिवान, आशिष रंजन-वैशाली, वैशाली,विवेक कुमार-बेतिया, रंजीत कुमार, श्रवण कुमार, रामप्रकाश यादव, गया से परितोष कुमार, बांका से सत्यनारायण ठाकुर, रोहताश से गणपति दास, कैमूर से शत्रुघ्न सहनी, समस्तीपुर से अर्जुन पासवान, दरभंगा से आलोक कुमार, बेगूसराय से प्रणव प्रियांशु आदि ने भाग लिया।

आज के ऑनलाईन कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा द्वारा किया गया।

10 अक्टूबर 2020

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के लिए रणनितियों को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राष्ट्रीय स्तर वेबिनार का आयोजन

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएबिलिटिज, पाटलीपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन एवं बिहार दिव्यांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में आज 10 अक्टूबर 2020 (शनिवार) को पुर्वाह्ण 11:30 बजे से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के लिए रणनितियों को सुदृढ़ बनाना"

विषय पर विडियों कन्प्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन जन-जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया किया गया। आज ऑनलाइन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास करना है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले सभी मनो विषेशज्ञों को उनके काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है, और दुनिया भर के लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है उस पर अमल करना है। मानसिक विकार से बचने के लिए संकारात्मक सोच का होना बहुत आवश्यक है।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार) एवं विशिष्ट अतिथि वक्ता डॉ० विनोद भांति (दिव्यांगजन विशेषज्ञ) ऑनलाइन उपस्थित थे। मनोविशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ० कृति (प्रो० मनोविशेषज्ञ, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना), डॉ० स्मीता तिवारी (मनोविशेषज्ञ), सुश्री स्वेता कुमारी (नैदानिक मनोचिकित्सक, गया), डॉ० मनोज कुमार (नैदानिक मनोचिकित्सक, चाईल्ड होम,पटना), डॉ० निरज मिश्रा (लेक्चरर, ऑक्यूपेशनल थैरैपी, सी.आर.सी. देवनगर, कर्नाटक) साथ ही डॉ० राजीव गंगौल (अध्यक्ष,पाटलीपुत्रापैरेंटस एसोसिएशन), संदीप कुमार (खेल निदेशक, बिहार पैरा स्पोर्टस एसोसिएशन), संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिस्एबिलिटिज), साबरा तरन्नुम (फिजियोथैरैपीस्ट, अररिया), अंजनी कुमारी शर्मा (कटिहार), कुमार भारत भुषण (स्पर्श देवघर), निरंजन कुमार मंडल (स्पर्श, देवघर), एवं सैंकड़ो दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी आदि ऑनलाइन उपस्थित थे।

आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य आयुक्त निशक्ततता (दिव्यांगजन), बिहार सरकार पटना ,बिहार डॉ॰ शिवाजी कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के बारे में बताया।उन्होनें लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक होने व इस विषय पर शोध को बढावा देने की जरूरत पर बल दिया। विभिन्न प्रकार के मानसिक समस्या से पीड़ित और उनके परिजनों के हालात पर चिंतन जाहिर

करते हुए कहा की समाज को इस दिशा में जागरूक होकर बचपन से ही बच्चों के भीतर उपयुक्त महौल देने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मानसिक मनासिक मजबुति के लिए सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है। इसके लिए मेडिटेशन, योग, व्यायाम से भी रोका जा सकता है।

बेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ॰ विनोद भांति ने बताया की पुलिस थाने में भी काउंसलर्स की बहाली होनी चाहिए ताकि आधिकतर मसले कोर्ट- कचहरी का भार कम हो। लोगों को ज्यादा से ज्यादा इस विषय पर चर्चा करना चाहिए। बताया कि जिस तेजी के साथ लोग उग्र हो रहे एक दिन ऐसा आयेगा कि पूरे भारत वर्ष में मानसिक अवसाद से लोग ग्रसित हो जायेगें। इसके लिए जन-जागरूकता बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ॰ कीर्ति ,एसो.प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग,कॉलेज ऑफ़ कामर्स, आर्ट्स एंड साइंस ,पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने बताया की मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी सभ्य समाज के निर्माण में घातक सिद्ध हो सकता है। इस अवसर पर डॉ॰ मनोज कुमार, मनोवैज्ञानिक चिकित्सक द्वारा कोरोना काल में बढते मानसिक स्वास्थ्य पर लोगों को जागरूक करते हुए बताया की इस वैश्विक महामारी से बहुत सारे मानसिक समस्या लोगों में देखी जा रही। बच्चे से लेकर बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर उन्होंने बेबाक अपनी राय रखी।उनका कहना था की अभी भी 75% निम्न व मध्यम आर्थिक स्थिति वाले लोगों को उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के बारे में पता नही है यदि इनको इस तरह की कोई समस्याएं धङ करती हैं तो उनका ईलाज वह नही करा पाते।विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया की पुरे विश्व में आज एक अरब लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से पीड़ित है। विश्व में हर 40 सेंकड में एक व्यक्ति सुसाइड कर रहा।

इस अवसर पर डॉ॰ स्मिता तिवारी ,पुनर्वास विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिक द्वारा भी सरल व सहज प्रजेंटेशन देकर लोगों को जागरूक किया।इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र स्पेशल चाइल्ड पैरेटस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ॰ राजीव गंगौल द्वारा काफी प्रेरक जागरूक व्याख्यान दिये गये।गया में कार्यरत मनोवैज्ञानिक श्वेता कुमारी द्वारा भी मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयी।इस अवसर पर 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक करने की मुहिम से जुङ सके।

मनोविशेषज्ञ सुश्री श्वेता कुमारी ने मानसिक स्वास्थ्य विकार से बचने एवं इससे बचने के तरीकों को और सुदृढ़ करने पर विस्तृत जानकारी दिये। इन्होंने बताया कि मनुष्य को सकारात्मक विचार ही मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। कोविड 19 में बहुत सारे लोग मानसिक अवसाद से घिरे हुए हैं उन्हे जागरूक करना एवं उनमें सकारात्मक सोच प्रदान करना बहुत जरूरी है। सभी ने मानसकि स्वास्थ पर पुछे गयें सावालों का भी जवाब दिया।

आंज के ऑनलाइन कार्यक्रम में लगभग 200 मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी, दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, लोग ऑनलाईन जुडे हुए थे सभी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति दिये गये जानकारी को काफी सराहना की एवं बताया इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिएं।

15 फरवरी 2021।

दिव्यांगजनों का अपना पहचानपत्र' विषय पर ऑनलाइन राज्यस्तरीय वेबिनार का आयोजन

स्वाबलंबन कार्ड (UDID Card) दिव्यांगजन का अपना पहचानपत्र के उपयोगिता, उपलब्धता और विशेषता के बारे में विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी

बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज के तत्वाधान में दिनांक 15 फरवरी 2021 को अपराहण 3 बजे से गुगलमी ऑनलाईन कार्यक्रम में यू.डी.आई.डी. कार्ड दिव्यांगजनो का अपना पहचान पत्र की महता, विशेषता एवं बनाने की प्रक्रिया विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कर विस्तृत जानकारी दी गई। आज के ऑनलाइन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त निःशक्तता, बिहार सरकार) ऑनलाइन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथ एव वार्ताकार घनश्याम कुमार (यू.डी.आई.डी. कार्ड स्टेट कोऑर्डिनेटर), राम विनय सिंह (यू.डी.आई.डी. इन्चार्य, मधुबनी), मुकेश पंजियार (सचिव दिव्यांगजन समूह), एवं प्रियंका मिश्रा (सचिव, बिहार थेलेसिमिया पैरेन्टस एसोसिएशन) ऑनलाइन उपस्थित थे साथ ही संदीप कुमार (खेल निदेशक, बिहार दिव्यांग खेल अंकादमी), संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसोसिएशन आफ पीडब्लूडी), प्रियंका लक्ष्मीकान्त कुमार (स्पेशल टीचर) सभी गांव स्तर, पंचायत स्तर, प्रखण्ड स्तर, जिला स्तर, सवडिविजन स्तर के डी.पी.जी एवं सैंकड़ों दिव्यांगजन, समाजसेवी, विशेषज्ञ उपस्थित थे। आज के वेबिनार का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन को सरकार द्वारा स्वावलंबन भारत के तहत चलाई जा रही दिव्यांगजनों के लिए यूनिक आइडी कार्ड के बारे में जानकारी देना था।

मुख्य अतिथि राज्य आयुक्त नि:शक्तता डॉ० शिवाजी कुमार ने बताये कि भात सरकार द्वारा स्वावलंबन भारत के तहत दिव्यांगजनों यूनिक नंबर कार्ड दिया जाता है है। आज के मुख्य विषय पर चर्चा करते हुए बताये कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र की मान्यता सिर्फ राज्य में होती है लेकिन यू.डी.आई.डी. कार्ड देश के सभी राज्यों में मान्य हैं । यू.डी.आई.डी. कार्ड से दिव्यांगता प्रमाण पत्र, रेलवे कॉन्सेसन आदि से जोड़कर एक कार्ड कई तरह से उपयोग में ला सकते हैं। इसलिए सभी दिव्यांगजनों के पास यू.डी.आई.डी. कार्ड होना बहुत ही आवश्यक है। इस कार्ड के लिए स्वावलंबन भारत के वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन किया जाता है।

यू.डी.आई.डी. कार्ड विशेषज्ञ घनश्याम कुमार एवं राम विनय सिंह ने यू.डी.आई.डी. कार्ड के विशेषता, महतता एवं उपयोगिता पर पर विस्तृत जानकारी दी। एक यू.डी.आई.डी. कार्ड का सभी दिव्यांगजन कई तरह उपयोग कर सकते हैं इस कार्ड पर एक यूनिक नंबर होती है जिससे उसका पहचान कर सकते हैं ।

इस कार्ड का देश के कोई भी कोना में उपयोग कर सकते हैं। ऑनलाईन कैसे आवेदन किया जाता है उससके बारे में भी बताये।

आज के वेबीनार में मुकेश पंजियार ने परिचर्चा में भाग लेने वालों का स्वागत किया। उन्होंने यू.डी.आई.डी. कार्ड के विशेषता के बारे में जानकारी दी एवं लोगों के सवालों का जवाब भी दिये।

आज के वेबिनार में मधुबनी से फूल बाबू, अररिया से साबरा तरन्नुम, मुजफ्फरपुर से शांतिमुकुल, लालु तुराहा - बक्सर, नितिश कुमार सिंह-गोपालगंज, शैलेश कुमार-जमुई, लक्ष्मीकान्त कुमार-कैमूर, अंजनी शर्मा-कटिहार, कुन्दन कुमार पाण्डेय, हिरदय यादव-नालन्दा, विश्वकर्मा शर्मा-शेखपुरा, अमित कुमार सिंह-सारण, -सारण,विजय देव-सुपौल, आशिष रंजन-वैशाली, वैशाली, विवेक कुमार-बेतिया, राहुल सिंह आदि ने भाग लिया।

आज के वेबिनार का संचालन मुकेश पंजियार के द्वारा किँया गया।

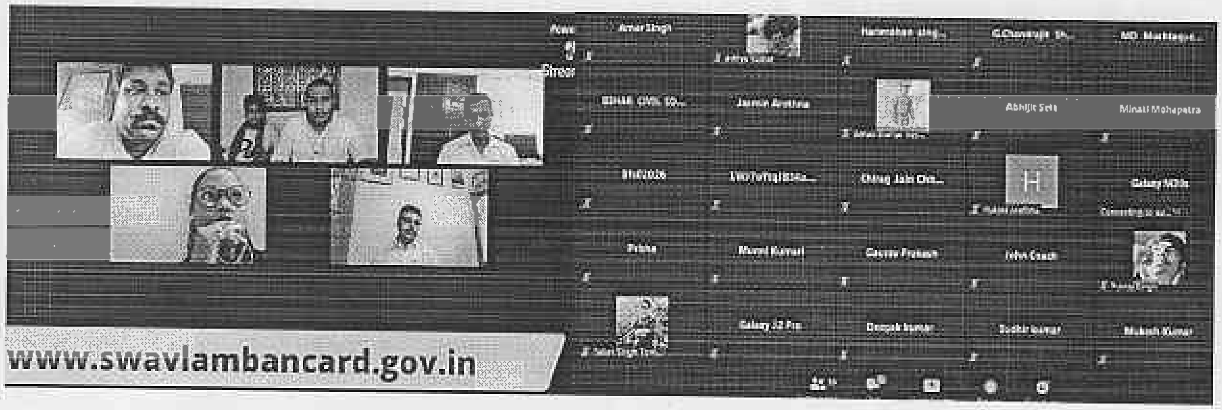

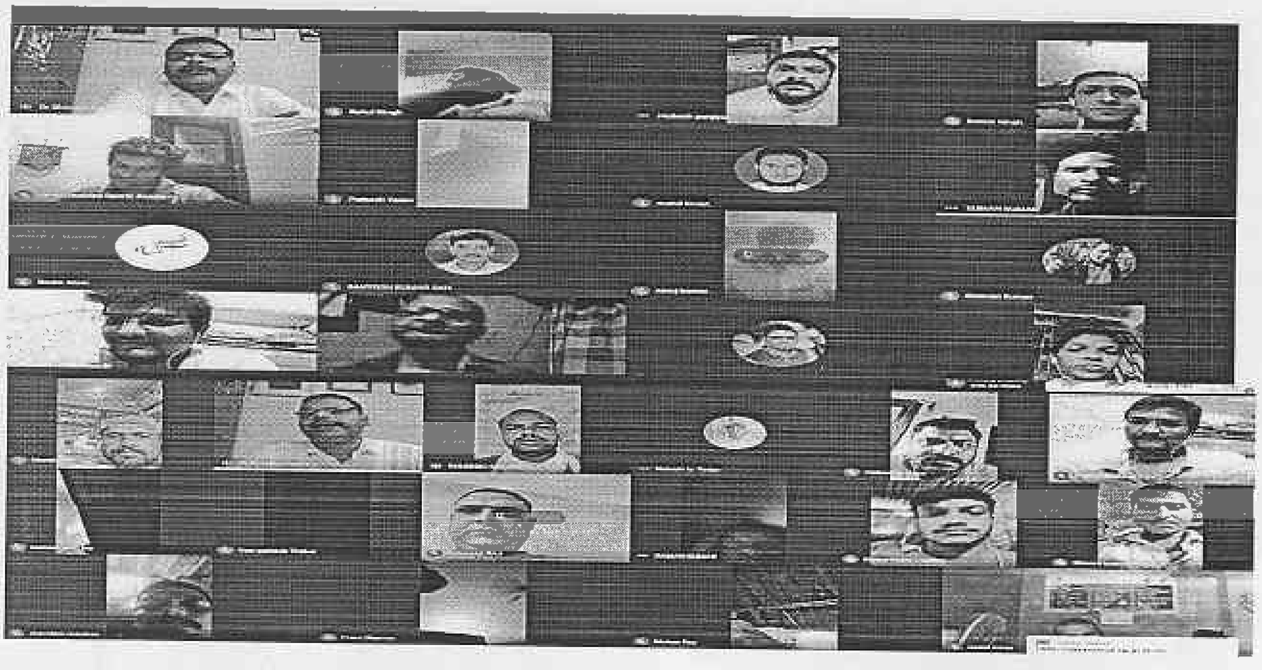

*****